

Date: 12-10-2021
Publication: The Hitavada
Edition: Raipur

RBI may hike rates in Q1 of 2022, says report

MUMBAI, Oct 11 (PTI)

THE Reserve Bank is likely to change the stance of its monetary policy and hike rates from the first quarter of 2022, a Japanese brokerage said on Monday.

The central bank will start with liquidity normalisation moves this month, narrowing the difference between the rate at which it funds the system and at which it absorbs excess liquidity in December, Nomura said.

It can be noted that the latest move by the Reserve Bank of India (RBI) last week to narrow the excess liquidity in the system through stated targets is being seen by some as the normalisation of the policy, which has been very accommodative since the onset of the pandemic to boost growth. The brokerage upped its consumer price index (CPI) inflation target for 2022 to 5.2 per

cent from 5 per cent earlier.

Demand remains strong in India, but there are supply-side headwinds in areas like chips which is bothering the auto sector and coal shortages which threatens to put parts of the country into darkness, it said.

The country is reporting coal shortages and power sector companies face the prospect of importing coal at significant cost.

With power demand likely to rise amid the continued economic normalization and upcoming festive sales, supply-side disruptions pose an important near-term downside risk to growth momentum, it warned. For the week ended last Sunday, its Business Resumption Index rose to 105.1 from 103.4 in the prior week.

“If power outages become more widespread, then industrial output could suffer in the near term,” it said.

Date: 12-10-2021

Publication: Prabhat Khabar
Edition: Kolkata

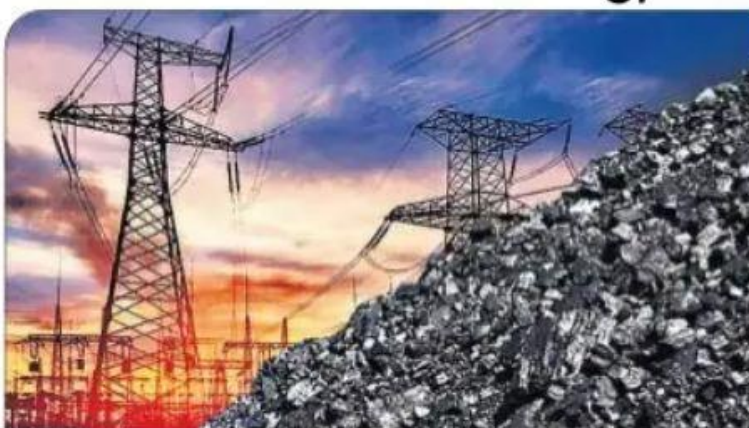
कोयले की उपलब्धता पर गृह मंत्री की मंत्रियों संग बैठक

कोल इंडिया ने बिजली संयंत्रों को बढ़ायी कोयले की आपूर्ति

एजेंसियां > नयी दिल्ली

बिजली संयंत्रों को कोयले की उपलब्धता को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को ऊर्जा मंत्री आरके सिंह और कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी के साथ बैठक की. घंटे भर चली बैठक में एनटीपीसी और दोनों मंत्रालयों के अधिकारी मौजूद रहे. इस दौरान कई राज्यों द्वारा बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति में कमी के कारण संभावित बिजली संकट की चेतावनी पर चर्चा हुई. इधर, कोल इंडिया लिमिटेड ने कहा कि उसने चालू महीने के पिछले चार दिनों में देशभर में बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति को बढ़ा कर 15.1 लाख टन प्रतिदिन कर दिया है. इस बीच ऊर्जा मंत्रालय ने चेतावनी दी कि यदि कोई बिजली वितरण कंपनी पीपीए के अनुसार बिजली उपलब्ध होने के बावजूद कटौती का सहारा लेता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी.

कोल इंडिया लि ने कहा कि वह कोयले के परिवहन के लिए पर्याप्त निकासी



6 उपलब्धता के बावजूद बिजली कटौती करने पर कंपनियों पर होगी कार्रवाई.

ऊर्जा मंत्रालय

हमारा उद्देश्य बिजली क्षेत्र के लिए आपूर्ति को और अधिक बढ़ाना है, जिसे हम पूजा के बाद हासिल करने की उम्मीद करते हैं. कोल इंडिया लिमिटेड का घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान है.

एसएन तिवारी, सीआइएल के निदेशक (विपणन)

इंतजाम कर रही है. वह मांग-आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए सभी प्रयास कर रही है. चार करोड़ टन के भंडार और बढ़ने से कोयले की उपलब्धता

की कोई समस्या नहीं होगी. रविवार को कोयला मंत्रालय ने कल था कि जरूरत को पूरा करने के लिए कोयले का पर्याप्त भंडार है.